

हुक्म	हुक्म या कार्यवाही का इतिहास जज	नंबर व तारीख अनुदान जो इस हुक्म की तारीख से लागू है
27/12	<p>परागली पेश हुई। अधिकतम मज गरीब को गट गट माजरे दिलवाई गई। आज अधिकतम मज गरीब मित्र कोई फूला। इत्यादि के अनु रटे हो अनु रठे है गरीब को गट अदल जेनी। अतः हानरी में गरीब मित्र जज हैं। परागली फौजल शुभाए होकर नम्बर है का हो।</p>	

(Handwritten signature)

